एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या –305 वर्ग –ब (दर्शन)
प्रश्न–पत्र V– न्याय वैशेषिक दर्शन – I

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली –विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड दिग् पर्यन्त कारिका 46 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पॉच इकाइयों में तथा तीन खण्डो में विभाजित किया गया है, इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ —

प्रथम इकाई –न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 12 तक
द्वितीय इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 13 से 22 तक
तृतीय इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 23 से 34 तक
चतुर्थ इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 35 से 46 तक
पंचम इकाई – न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछी जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 12 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाऍ
देकर किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 13 से 22 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाऍ
देकर किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

(ग) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की 23 से 34तक की कारिकाओं में से दो कारिकाऍ देकर
किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का **संस्कृत में** । पूछा जायेगा **7 अंक**

(घ) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की 35 से 46 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर

किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

(ड.)न्याय वैशेषिक दर्शन के सामान्य परिचय से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग)

30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इन दो प्रश्नों के क्रमशः 15+15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड में विवेचित विषय – मंगलाचरण का प्रयोजन , ईश्वर सिद्धि ,

पदार्थ –विभाग एवं स्वरूप , शक्ति और सादृश्य, पदार्थ खण्डन , द्रव्य एवं द्रव्यत्व जाति की सिद्धि ,

सामान्य निरूपण एवं जाति बाधक , विशेष पदार्थ ,समवाय पदार्थ , भेद सहित अभाव निरूपण, कारण

लक्षण भेद सहित ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होगे– **15 अंक**

न्यायसिद्धान्त मुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड के विवेचित विषय – पृथिवी निरुपण ,अवयवी की सिद्धि, परमाणु की सिद्धि , जल निरुपण ,तेज निरुपण , स्वर्ण की तैजस् सिद्धि , वायु निरुपण , आकाश निरुपण , काल निरुपण , दिग् निरुपण , न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय एवं महत्व के निम्न

विषय प्रमाण , प्रत्यक्ष , अनुमान , शब्द तथा उपमान , अर्थापत्ति व अभाव, खण्डन

सहायक पुस्तके :–

(1) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली –ज्वाला प्रसाद गौड

(2) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) डा. धर्मेन्दनाथ शास्त्री

(3) भारतीय दर्शन न्याय –वैशेषिक –डा धर्मेन्दनाथ शास्त्री

(4) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) –मुसलगांवकर

(5) भारतीय न्याय शास्त्र – डा. ब्रह्म मित्र अवस्थी

(6) वैशेषिक दर्शन – डा. श्री नारायण मिश्र

(7) न्याय– वैशेषिक तथा अन्य भारतीय दर्शन (न्याय लीलावती के आलोक में) – डा. नरेन्द्र अवस्थी

राजस्थानी ग्रन्थागार जोधपुर ।